NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 7

7 बकस्य प्रतीकारः

(बगुले का बदला)

(अव्यय प्रयोगः)

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में अव्यय पदों का प्रयोग आया है। अव्यय वे होते हैं जिनमें लिंग, पुरुष, वचन, काल आदि के कारण कोई रूपांतर नहीं आता। वे अपने मूल रूप में प्रयुक्त होते हैं। यथा–

(i) सः अपि गच्छति। *(ii)* अहम् अपि गमिष्यामि। *(iii)* ते अपि गमिष्यन्ति।

इन वाक्यों में 'अपि' में कोई परिवर्तन नहीं आया है। संस्कृत में ऐसे कई अव्यय हैं। यथा–एव (ही), च (और), तत्र (वहाँ), अत्र (यहाँ), कुत्र (कहाँ) आदि। पाठ में लङ्लकार (भूतकाल) के क्रियापद भी आए हैं। यथा– अवदत् (बोला) अयच्छत् (दिया) आदि।

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) एकस्मिन् वने शृगालः बकः च निवसतः स्म। तयोः मित्रता आसीत्। एकदा प्रातः शृगालः बकम् अवदत्–"मित्र! श्वः त्वं मया सह भोजनं कुरु।" शृगालस्य निमंत्रणेन बकः प्रसन्नः अभवत्।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : एकस्मिन् वने–एक वन में (in a forest), **शृगालः**–गीदड़ (jackal), **बकः च**–और बगुला (and a crane), **निवसतः स्म**–रहते थे lived (dual), **तयोः**–उन दोनों में (between them), **आसीत्**–था/थी (was), **एकदा**–एक बार (once), **अवदत्**–बोला (spoke/said), **श्वः**–कल (tomorrow), **मया सह**–मेरे साथ (with me), **भोजनं कुरु**–भोजन करो (have dinner/meals), **निमंत्रणेन**–निमंत्रण से with (his) invitation, **अभवत्**–हुआ (became/was)।

सरलार्थ :

एक वन में एक सियार और एक बगुला रहते थे। उन दोनों में मित्रता (दोस्ती) थी। एक दिन सवेरे सियार ने बगुले को कहा–"मित्र! कल तुम मेरे साथ खाना खाओ।" सियार के निमंत्रण से बगुला खुश हुआ।

English Translation:

There lived a jackal and a crane in a forest. There was friendship between the two of them. One morning the jackal said to the crane, 'Friend! tomorrow you have dinner with me.' The crane was happy with the jackal's invitation.

(ख) अग्रिमे दिने सः भोजनाय शृगालस्य निवासम् अगच्छत्। कुटिलस्वभावः शृगालः स्थाल्यां बकाय क्षीरोदनम् अयच्छत्। बकम् अवदत् च–"मित्र! अस्मिन् पात्रे आवाम् अधुना

LearnCBSE.in

सहैव खादावः।" भोजनकाले बकस्य चञ्चुः स्थालीतः भोजनग्रहणे समर्था न अभवत्। अतः बकः केवलं क्षीरोदनम् अपश्यत्। शृगालः तु सर्वं क्षीरोदनम् अभक्षयत्।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : अग्रिम दिवसे–अगले दिन (the next day), **भोजनाय**–भोजन के लिए (for dinner), **निवासम्**–निवास-स्थान को (his residence), **अगच्छत्**–गया/गई (went), **स्थाल्याम्**–थाली में (in a dish), **बकाय**–बगुले के लिए, (for crane), **क्षीरोदनम्**–खीर (A sweet dish prepared with milk, rice, sugar etc.), **अयच्छत्**–दिया (to give), **पात्रे**–बर्तन में (in the vessel), **अधुना**–अब (now), **सहैव (सह + एव)**–साथ ही (together), **बकस्य चञ्चुः**–बगुले की चोंच (the crane's beak), **स्थालीतः**–थाली से (from the dish), **भोजनग्रहणे**–भोजन ग्रहण करने में (to have dinner), **समर्था**–समर्थ (capable), **अतः**–इसलिए (therefore), **केवलम्**–केवल/सिर्फ़ (only), **अपश्यत्**–देखा/देखी (saw), **अभक्षयत्**–खाया/खायी (ate)।

सरलार्थ :

अगले दिन वह भोजन के लिए सियार के निवास-स्थान पर गया। कुटिल स्वभाव वाले सियार ने थाली में बगुले को खीर दी और बगुले से कहा–"मित्र, इस बर्तन में हम दोनों अब साथ ही खाते हैं।" भोजन के समय में बगुले की चोंच थाली से भोजन ग्रहण करने में समर्थ नहीं थी। अतः बगुला केवल खीर देखता रहा। सियार ने तो सारी खीर खा ली।

English Translation:

The next day he went to jackal's house for dinner. The crooked jackal served the rice pudding to the crane in a flat dish and said to the crane— "Friend, let us now eat together in this vessel". At the time of the meal the crane's beak was unable to reach the food in the flat dish. Therfore the crane just kept looking at the milk pudding. The jackal ate up the entire milk pudding.

(ग) शृगालेन वञ्चितः बकः अचिन्तयत्–"यथा अनेन मया सह व्यवहारः कृतः तथा अहम् अपि तेन सह व्यवहरिष्यामि।" एवं चिंतयित्वा सः शृगालम् अवदत्–"मित्र! त्वम् अपि श्वः सायं मया सह भोजनं करिष्यसि।" बकस्य निमंत्रणेन शृगालः प्रसन्नः अभवत्।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : शृगालेन–सियार द्वारा (by the jackal), **वञ्चितः**–ठगा गया (deceived), **अचिंतयत्**–सोचा (thought), **यथा**–जिस प्रकार (the way/like), **अनेन**–इसके द्वारा by this (jackal), **व्यवहारः**–व्यवहार (treatment, behaviour), **कृतः**–किया गया (has been done), **तथा**–उसी प्रकार (like that), **अपि**–भी (also/too), **तेन सह**–उसके साथ (with him), **व्यवहरिष्यामि**–व्यवहार करूँगा (shall behave), **एवम्**–इस प्रकार (thus), **चिंतयित्वा**–सोच समझकर (thinking properly), **करिष्यसि**–करोगे (will do)।

LearnCBSE.in

सरलार्थ :

सियार के द्वारा ठगे जाने पर बगुले ने सोचा, "जिस प्रकार इसने मेरे साथ बर्ताव किया है, उसी प्रकार मैं भी उसके साथ बर्ताव करूँगा।" ऐसा सोचकर उसने सियार से कहा–"दोस्त! तुम भी कल शाम मेरे साथ भोजन करोगे।" बगुले के निमंत्रण से सियार खुश हो गया।

English Translation:

Having been cheated by the jackal the crane thought—'The way he has treated (behaved with) me, I too shall behave with him in the same manner.' Thinking this he said to the jackal, 'Friend, you too shall have dinner with me tomorrow evening.' The jackal became happy with the crane's invitation.

(घ) यदा शृगालः सायं बकस्य निवासं भोजनाय अगच्छत्, तदा बकः सङ्कीर्णमुखे कलशे क्षीरोदनम् अयच्छत् शृगालं च अवदत्–"मित्र! आवाम् अस्मिन् पात्रे सहैव भोजनं कुर्वः"। बकः कलशात् चञ्च्वा क्षीरोदनम् अखादत्। परंतु शृगालस्य मुखं कलशे न प्राविशत्। अतः बकः सर्वं क्षीरोदनम् अखादत्। शृगालः च केवलम् ईर्ष्यया अपश्यत्।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : यदा–जब (when), **तदा**–तब (then), **सङ्कीर्णमुखे कलशे**–तंग मुख वाले कलश में (in a pot with a narrow mouth), **कुर्वः**–(हम दोनों करते हैं) (we/both do), **कलशात्**–कलश से (from the pot), **चञ्च्वा**–चोंच से (with beak), **प्राविशत्**–प्रवेश किया (entered), **ईर्ष्यया**–ईर्ष्या से (jealously), **अपश्यत्**–देखा (saw)।

सरलार्थ :

जब सियार शाम को बगुले के निवास स्थान पर भोजन के लिए गया, तब बगुले ने छोटे मुख वाले कलश (सुराही) में खीर डाली (दी) और सियार से कहा–"दोस्त, हम दोनों इसी बर्तन में साथ ही भोजन करते हैं।" बगुले ने कलश से चोंच द्वारा खीर खाई। परंतु सियार का मुँह कलश में नहीं जा सका। इसलिए बगुला सारी खीर खा गया। सियार केवल ईर्ष्या से देखता रहा।

English Translation:

When the jackal went to the crane's residence for meals in the evening then the crane gave the rice pudding in a pot with a narrow mouth. And said to the jackal, "Friend! we shall eat together in this pot." The crane ate the rice pudding with its beak. But the jackal's mouth was unable to reach into the pot. Therefore the crane ate up all the rice pudding. The jackal just looked on jealously.

(ङ) शृगालः बकं प्रति यादृशं व्यवहारम् अकरोत् बकः अपि शृगालं प्रति तादृशं व्यवहारं कृत्वा प्रतीकारम् अकरोत्।

उक्तमपि– आत्मदुर्व्यवहारस्य फलं भवति दुःखदम्।
तस्मात् सद्व्यवहर्तव्यं मानवेन सुखैषिणा।।

LearnCBSE.in

शब्दार्थाः (Word Meanings) : यादृशम् व्यवहारम्–जैसा व्यवहार (kind of behaviour), **तादृशम्**–वैसा (the same), **कृत्वा**–करके (having done), **प्रतीकारम्**–बदला (revenge), **अकरोत्**–किया (did), **आत्मदुर्वव्यवहारस्य**–अपने बुरे व्यवहार का (fall out of bad behaviour), **फलम्**–फल/परिणाम (result/fall out), **दु:खद**–दुखद/दुख देने वाला (causing misery), **तस्मात्**–इसलिए (therefore), **सद्व्यवहर्तव्यम्**–अच्छा व्यवहार करना चाहिए (should put on (do) good behaviour), **मानवेन**–मनुष्य द्वारा (by a person), **सुखैषिणा**–सुख चाहने वाले (wishing for happiness)।

सरलार्थः

सियार ने बगुले के प्रति जिस प्रकार का व्यवहार किया बगुले ने भी सियार के साथ वैसा ही व्यवहार करके बदला लिया।

कहा भी गया है–

अपने बुरे व्यवहार का परिणाम दुखद ही होता है। इस कारण सुख चाहने वाले मानव को चाहिए कि वह सदा अच्छा व्यवहार करे।

English Translation:

The way the jackal behaved with the crane the crane also behaved in the same way and took revenge.

It also said—

The fall out of one's bad behaviour is always sorrowful. Therefore a person wishing for happiness should always do good behaviour.

अन्वयः– आत्मदुर्व्यवहारस्य फलं दु:खदम् भवति; तस्मात् सुखैषिणा मानवेन सद्व्यवहर्तव्यम्।

■ **हमने सीखा**

(*i*) अव्यय पदों का प्रयोग।
यथा–तदा, तथा, यदा, सह, एव, एवम्, प्रति, एकदा, प्रातः, सायं, अधुना, अद्य, श्वः।

(*ii*) लङ्लकार का प्रयोग भूतकाल की क्रिया दर्शाने के लिए किया जाता है। लङ्लकार में धातुरूप में धातु से पहले 'अ' लग जाता है।

यथा– वदति – लट्लकार,	अवदत् – लङ्लकार
(वह बोलता/बोलती है।)	(वह बोला/बोली है।)
पठति – लट्लकार	अपठत् – लङ्लकार
(वह पढ़ता/पढ़ती है)	(उसने पढ़ा)

• अभ्यासः (Exercise) •

प्रश्नः 1. उच्चारणं कुरुत– (उच्चारण कीजिए– Read it out.)

यत्र	यदा	अपि	अहनिर्शम्
तत्र	तदा	अद्य	अधुना

LearnCBSE.in

कुत्र	कदा	श्वः	एव
अत्र	एकदा	ह्यः	कुतः
अन्यत्र	च	प्रातः	सायम्

उत्तरम्– छात्र स्वयं उच्चारण करें।

प्रश्नः 2. मञ्जूषातः उचितम् अव्ययपदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत– (मञ्जूषा से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए– Pick out the appropriate Indeclinable from the box and fill in the blanks.)

अद्य अपि प्रातः कदा सर्वदा अधुना

(क) .... भ्रमणं स्वास्थ्याय भवति।
(ख) .... सत्यं वद।
(ग) त्वं .... मातुलगृहं गमिष्यसि?
(घ) दिनेशः विद्यालयं गच्छति, अहम् .... तेन सह गच्छामि।
(ङ) .... विज्ञानस्य युगः अस्ति।
(च) .... रविवासरः अस्ति।

उत्तरम्– (क) प्रातः (ख) सर्वदा (ग) कदा (घ) अपि (ङ) अधुना (च) अद्य

प्रश्नः 3. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तरं लिखत– (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Answer the following questions.)

(क) शृगालस्य मित्रं कः आसीत्?
(ख) स्थालीतः कः भोजनं न अखादत्?
(ग) बकः शृगालाय भोजने किम् अयच्छत्?
(घ) शृगालस्य स्वभावः कीदृशः भवति?

उत्तरम्– (क) शृगालस्य मित्रं बकः आसीत्।
(ख) बकः स्थालीतः भोजनं न अखादत्।
(ग) बकः शृगालाय भोजने क्षीरोदनम् अयच्छत्।
(घ) शृगालस्य स्वभावः कुटिलः भवति।

प्रश्नः 4. पाठात् पदानि चित्वा अधोलिखितानां विलोमपदानि लिखत– (पाठ से पद चुनकर निम्नलिखित पदों के विलोम शब्द लिखिए– Pick out words from the lesson and write down antonyms of the words given below.)

यथा– शत्रुः मित्रम्

सुखदम्	....	दुर्व्यवहारः	....
शत्रुता	....	सायम्	....
अप्रसन्नः	....	असमर्थः	....

LearnCBSE.in

उत्तरम्– दुःखदम् सद्व्यवहार:
मित्रता प्रात:
प्रसन्न: समर्थ:

प्रश्न: 5. मञ्जूषात: समुचितपदानि चित्वा कथां पूरयत– (मञ्जूषा से उचित पद चुनकर कथा पूरी कीजिए– Complete the story by picking out appropriate words from the box.)

मनोरथै:	पिपासित:	उपायम्	स्वल्पम्	पाषाणस्य कार्याणि
उपरि	सन्तुष्ट	पातुम्	इतस्तत:	कुत्रापि

एकदा एक: काक: .... आसीत्। स: जलं पातुम् .... अभ्रमत्। परं .... जलं न प्राप्नोत्। अन्ते स: एकं घटम् अपश्यत्। घटे .... जलम् आसीत्। अत: स: जलम् .... असमर्थ: अभवत्। स: एकम् .... अचिन्तयत्। स: .... खण्डानि घटे अक्षिपत्। एवं क्रमेण घटस्य जलम् .... आगच्छत्। काक: जलं पीत्वा .... अभवत्। परिश्रमेण एव .... सिध्यन्ति न तु ....।

उत्तरम्– पिपासित:, इतस्तत:, कुत्रापि, अल्पम्, पातुम्, उपायम्, पाषाणस्य, उपरि, संतुष्ट, कार्याणि, मनोरथै:।

प्रश्न: 6. तत्समशब्दान् लिखत– (तत्सम शब्द लिखिए– Write down the words as used in Sanskrit.)

यथा– सियार शृगाल:
कोआ ....
मक्खी ....
बन्दर ....
बगुला ....
चोंच ....
नाक ....

उत्तरम्– काक:, मक्षिका, वानर:, बक:, चञ्चु:, नासिका।

अतिरिक्त-अभ्यास:

(1) उचितम्-अव्ययपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत– (उचित अव्यय पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए– Pick out the correct Indeclinable and fill in the blanks.)

कदा, सायम्, अधुना, प्रात:, सह

(i) अहम् .... पत्रं लिखामि।

LearnCBSE.in

(ii) त्वम् मित्रेण .... खेलसि।
(iii) यूयम् .... विद्यालयं गच्छथ?
(iv) वयम् .... विद्यालयं गच्छाम:।
(v) बालका: .... खेलन्ति।

उत्तरम्– (i) अधुना (ii) सह (iii) कदा (iv) प्रात: (v) सायम्

(2) लट्लकार क्रियापदस्य समक्षं लङ्लकारस्य क्रियापदं लिखत– (लट् लकार अर्थात् वर्तमान काल के क्रियापद के सामने लङ्लकार अर्थात भूतकाल का क्रियापद लिखिए– Write down the verb in past tense opposite the verb in present tense.)

यथा– वदति अवदत्
(i) कथयति ....
(ii) भक्षयति ....
(iii) करोति ....
(iv) पश्यति ....
(v) गच्छति ....

उत्तरम्– (i) अकथयत्, (ii) अभक्षयत्, (iii) अकरोत्, (iv) अपश्यत्, (v) अगच्छत्।

(3) अधोदत्तान् प्रश्नान् उत्तरत्। (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। Answer the following questions.)
(i) शृगाल: बक: च कुत्र निवसत: स्म:?
(ii) बक: किमर्थम् शृगालस्य निवासम् अगच्छत्?
(iii) शृगाल: कथम् भोजनम् अयच्छत्?
(iv) शृगाल: केन प्रसन्न: अभवत्?

उत्तरम्– (i) शृगाल: बक: च एकस्मिन् वने निवसत: स्म:।
(ii) बक: भोजनाय शृगालस्य निवासम् अगच्छत्।
(iii) शृगाल: स्थाल्यां बकाय भोजनम् अयच्छत्।
(iv) शृगाल: बकस्य निमंत्रणेन प्रसन्न: अभवत्।

(4) कोष्ठकदत्तस्य शब्दस्य उचितं रूपं प्रयुज्य वाक्यानि पूरयत– (कोष्ठक दत्त शब्द के उचित रूप का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए– Using the correct form of the word in bracket and complete the sentences.)

LearnCBSE.in

(i) श्रृगालः बकस्य .... आसीत्। (मित्र)

(ii) श्रृगालस्य .... बकः प्रसन्नः अभवत्। (निमंत्रण)

(iii) बक .... श्रृगालस्य गृहम् अगच्छत्। (भोजन)

(iv) श्रृगालः .... सह दुर्व्यवहारम् अकरोत्। (बक)

(v) बकः अपि .... प्रति तादृशं व्यवहारम् अकरोत्। (श्रृगाल)

उत्तरम्– (i) मित्रम् (ii) निमंत्रेण (iii) भोजनाय (iv) बकेन (v) श्रृगालम्

(5) **अधोवत्तान् वाक्यांशान् संस्कृते परिवर्तयत।** (निम्नलिखित वाक्यांशों को संस्कृत में बदलिए। Translate the following phrases into Sanskrit.)

(i) एक जंगल में –	**उत्तरम्–**	(i) एकस्मिन् वने
(ii) भोजन के समय –		(ii) भोजनकाले
(iii) मेरे साथ –		(iii) मया सह
(iv) बगुले से बोला –		(ii) बकम् प्रति अवदत्
(v) प्रसन्न बगुला –		(v) प्रसन्नः बकः
(vi) बगुले को दिया –		(vi) बकाय अयच्छत्
(vii) बगुले का निवास –		(vii) बकस्य निवासः

(6) **'मित्र! त्वम् अपि श्वः सायं मया सह भोजनम् करिष्यति' इति वाक्ये कानि अव्ययपदानि?**

(क) (i) .... (ii) .... (iii) .... (iv) ....

उत्तरम्– (i) अपि (ii) श्वः (iii) सायं (iv) सह

(ख) यथानिर्देशम् रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।

यथा– त्वम् करिष्यसि।

(i) अहम् .... ।

(ii) सः .... ।

(iii) यूयम् .... ।

(iv) वयम् .... ।

(v) ते .... ।

उत्तरम्– (i) करिष्यामि (ii) करिष्यति (iii) करिष्यथ (iv) करिष्यामः (v) करिष्यन्ति

LearnCBSE.in

(7) **लङ्लकारे परिवर्तयत–** (लङ्लकार में बदलिए– Change into past tense.)

	लट्	लङ्	
यथा–	सः पठति।	सः अपठत्।	
(i)	सः लिखति।	....	**उत्तरम्–** (i) सः अलिखत्।
(ii)	सः खादति।	....	(ii) सः अखादत्।
(iii)	सः हसति।	....	(iii) सः अहसत्।
(iv)	सः वदति।	....	(iv) सः अवदत्।
(v)	सः धावति।	....	(v) सः अधावत्।

बहुविकल्पीयप्रश्नाः

(1) **प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितं पदं चित्वा वाक्यानि पूरयत।** (दिए गए विकल्पों से उचित पद चुनकर वाक्यपूर्ति कीजिए। Pick out the correct option and complete the sentences.)

(क) (i) बकः केन वञ्चितः? (निमंत्रणेन, कलशेन, श्रृगालेन)

(ii) श्रृगालः कीदृशः आसीत्? (कुटिलः, संकीर्णः, प्रसन्नः)

(iii) श्रृगालः बकाय स्थाल्यम् किम् अयच्छत्? (निमंत्रणम्, भोजनम्, क्षीरोदनम्)

(iv) बकः किमर्थम् अगच्छत्? (परोपकाराय, खेलनाय, भोजनाय)

(v) निमंत्रणेन बकः कीदृशः अभवत्? (वञ्चितः, प्रसन्नः, दुःखितः)

उत्तरम्– (i) श्रृगालेन, (ii) कुटिलः, (iii) क्षीरोदनम्, (vi) भोजनाय, (v) प्रसन्नः

(ख) (i) .... सूर्यः अस्तं गच्छति .... अंधकारः भवति। (यथा-तथा, यदा-तदा)

(ii) त्वम् अधुना .... गच्छसि? (कदा, कुत्र)

(iii) सः खादति, त्वम् .... भोजनं कुरु। (एव, अपि)

(iv) मृगाः मृगैः .... चरन्ति। (एव, सह)

(v) .... मम संस्कृत-परीक्षा अस्ति। (अद्य, श्वः)

उत्तरम्– (i) यदा-तदा, (ii) कुत्र, (iii) अपि, (vi) सह, (v) अद्य

(ग) (i) बकः ....श्रृगालस्य निवासम् अगच्छत्। (भोजनम्, भोजनाय, भोजनस्य)

(ii) श्रृगालः .... अवदत्। (बकाय, बकेन, बकम्)

(iii) .... केवलं क्षीरोदनम् अपश्यत्। (बकम्, बकः, बकस्य)

(iv) श्वः त्वं .... सह भोजनं कुरु। (माम्, मम, मया)

(v) श्रृगालः .... प्रति दुर्व्यवहारम् अकरोत्। (बकस्य, बकम्, बकः)

उत्तरम्– (i) भोजनाय, (ii) बकम्, (iii) बकः, (vi) मया, (v) बकम्

LearnCBSE.in

*********** END **********